सामान्य अध्ययन (टेस्ट - III)

GENERAL STUDIES (Test - III)

मॉड्यूल - III / Module - III

DTVF/17-M-GS3

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Chetan Kumar meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट न. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	2	5	4	8	0	8

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Chetan

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न हैं।

Evaluation Analysis

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- सभी प्रश्नों का हल कीजिए।
- प्रासंगिक एवं पर्याप्त सामग्री का उल्लेख कीजिए।
- प्रश्न को समझकर सभी पक्षों के संदर्भ में लिखिए।
- शाब्दिक एवं मात्रात्मक गलतियों को दूर कीजिए। टू द पॉइंट लिखिए।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. हाल के दिनों में कुछ भारतीय नदियों को जीवित इकाई (Living enties) की प्रास्थिति प्रदान करने के क्या निहितार्थ हैं? यह नदियों के प्रदूषण की रोकथाम एवं उनके पारिस्थितिकी संरक्षण में किस सीमा तक सहायक सिद्ध होगी? (250 शब्द) 12.5

What are the implication of providing the living entity status to some Indian rivers in recent times. To what extent it would be helpful in preventing pollution of rivers and its ecological conservation? (250 words) 12.5

भारत में नदी प्रदूषण की समस्या गंभीर बन चुकी है। अब तक बनाई गयी नीतियों व कार्यक्रमों (जैसे- नमामि गंगे आदि) के प्रभावी क्रियान्वयन के अभाव में नदियों की हालत यथावत है अथवा और बिगड़ रही है। ऐसे में न्यायिक हस्तक्षेप कर न्यायपालिका ने गंगा व जमुना को 'जीवित इकाई' का दर्जा दिया।

प्रदूषण की रोकथाम व पारिस्थितिकी संरक्षण में सहायक

(1) 'जीवित इकाई' का दर्जा दिए जाने से अब नदी को जीवित व्यक्ति की तरह संवैधानिक व वैधानिक अधिकार होंगे। नदियों में कचरा डालने अथवा घाटों को नुकसान पहुँचाने जैसे किसी भी गतिविधि के खिलाफ प्रदूषणकर्ता के विरुद्ध न्यायालय सजा सजा जा सकता है, अतः प्रदूषण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उत्तराखंड सरकार के महाधिवक्ता

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वैधानिक अपराध होगा।

(2) नदियों के संरक्षण की जिम्मेदारी नमामि गंगे के निदेशक, उत्तराखंड की मुख्य सचिव को दी है। अतः प्रशासन को प्रदूषण के विरुद्ध कड़े कदम उठाने होंगे।

(3) नदियों के पारिस्थितिकी से कोई भी छेड़छाड़ अपराध होगा। अतः लोग प्रदूषण फैलाने से बचेंगे।

इस विधेयक से नदियों को यह दर्जा प्रदूषण निवारण, रोकथाम व पारिस्थितिकी संरक्षण की दृष्टि से अहम है, किन्तु इसका व्यावहारिक क्रियान्वयन कठिन है, क्योंकि

(1) लोगों में इस बात के प्रति जागरूकता का अभाव है। किनारे कई औद्योगिक संस्थान, गाँव, शहर का कचरा गिरता है तथा नदियों के तटों पर व्यापक अतिक्रमण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है, अतः इतने विशाल उल्लंघन को रोकना व्यावहारिक रूप से प्रशासन के लिए संभव है।

(2) न्यायपालिका पहले से ही बोझ में है, यह कदम मुकदमों की बाढ़ ला सकता है। वस्तुतः आलोचक इसे न्यायिक अतिसक्रियता के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण का काम कार्यपालिका का है।

(3) यह मुख्य सचिव पर जिम्मेदारी डालकर प्रशासन का लक्ष्य विस्थापनकर सकता है।

(4) इस निर्णय में व्यावहारिक कदम जैसे लोगों को जागृत करना, की अपेक्षा की गयी है।

स्पष्ट है कि भारत में न्यूजीलैंड की तरह नदियों को जीवित इकाई का दर्जा देना सांकेतिक रूप से नदी प्रदूषण व पारिस्थितिकी अवक्षय के प्रति प्रशासनिक व नागरिक संवेदनशीलता को संदर्भित करता है, किन्तु इसकी अव्यावहारिकता इसे अधिक प्रभावी नहीं बनाती, बल्कि नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया जाए।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्णय के क्रियान्वयन पर रोक की उल्लेख की जिज्ञासा

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	0.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	D	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. क्या कारण है कि भारत का पूर्वी तट उसके पश्चिमी तट की अपेक्षा चक्रवात से अधिक प्रभावित रहता है? ऐसे चक्रवातों के जनन में हिन्द महासागर की तटीय संरचना की क्या भूमिका होती है? (250 शब्द) 12.5

What are the reasons that the eastern coast of India is more affected by cyclone than its western coast. What is the role of coastal structure of the Indian Ocean in genesis of such cyclones? (250 words) 12.5

भारत का पूर्वी क्षेत्र उष्ण कटिबंधीय जलवायु प्रदेश में पड़ता है और उष्ण कटिबंधीय चक्रवात इस कटिबंध की जलवायवीय विशेषता है अतः भारत के पूर्वी व पश्चिमी तटों पर इसका प्रभाव देखा जाता है।

पूर्वी तट पर पश्चिमी तट की अपेक्षा अधिक चक्रवात आने के कारण :

① यह तापजनित चक्रवात होता है। यह स्पष्ट है कि बंगाल की खाड़ी का क्षेत्र अरब सागर की अपेक्षा अधिक स्थलबद्ध है अतः स्थलीय प्रभाव के कारण समुद्र की सतह अधिक गर्म होती है, जिससे जलवाष्प अधिक बनती है तथा उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की बारंबारता बढ़ती है। (प्रीतिस्पष्ट)

② लगभग आधे उष्णकटिबंधीय चक्रवात

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में आते हैं, जो विस्तारित होकर बंगाल की खाड़ी का आ जाते हैं अतः पूर्वी तट पर ज्यादा चक्रवात आते हैं।

(3) ये चक्रवात व्यापारिक पवनों के प्रभाव से पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ते हैं अतः बंगाल की खाड़ी के चक्रवात सीधे पूर्वी तट से टकराते हैं। जबकि अरब सागर के चक्रवात पाकिस्तान, ईरान, ओमान की तरफ चले जाते हैं।

हिन्द महासागर की तटीय संरचना उत्तर दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों की तरफ अधिक है, अधिक स्थलीय क्षेत्र अधिक तेजी से गर्म होकर पूर्वी हिन्द महासागर का तापमान बढ़ाते हैं और यहाँ तीव्रता से जन्मे चक्रवात व्यापारिक पवन के साथ पूर्व से पश्चिम की ओर गति कर भारतीय तटों से टकराते हैं।

इस प्रकार भारत के पूर्वी तटों पर अंध वर्षा जैसे तूफान तथा पश्चिमी तटों पर उल्लेख

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हुड्डुड जैसे चक्रवात देखे गये हैं।

निष्कर्ष 2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	0.5	0.25	0.25	0	
Grade	B	4	D	C	B	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. "भारत का पशुपालन क्षेत्र सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख घटक होते हुए भी बहुविध कारणों से अपनी क्षमताओं का सम्यक दोहन नहीं कर पाता है।" उक्त कथन की व्याख्या करते हुए इस क्षेत्र के उन्नयन हेतु उपाय सुझाएँ। (250 शब्द) 12.5

"Animal husbandry sector of India being a key component of socio-economic security do not able to properly exploit own capabilities due to multiple reasons." Suggest measures for the upgradation of this sector while explaining the statement given above. (250 words) 12.5

कृषि भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और पशुपालन उसका अहम घटक। यह कृषि के लिए जैविक उर्वरक से लेकर डेयरी उद्योग के विकास, ऊन व माँस उद्योग का अहम घटक है। भारत में विश्व के सर्वाधिक मात्रा में पशु हैं, किन्तु फिर भी भारत अपनी क्षमताओं का दोहन नहीं कर पा रहा है।

पशुपालन में विद्यमान समस्याएँ

① पशुओं की विशाल आबादी होने के बावजूद अधिकांश पशु कम गुणवत्ता व क्षमता के हैं। जिनको अधिक आर्थिक उपयोगिता न होने पर बोझ बनते हैं।

② चारागाहों का विनाश होने के कारण पशुचारण हेतु चारा की किल्लत भी सामने है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इन प्रयास पहले से ही हो रहे हैं

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(3) पशु चिकित्सा, पशु बीमा के अभाव में महामारियाँ पशुओं को जोखिम का साधन बना देती हैं।

(4) गुणवत्तायुक्त नए पशुओं की कमी।

(5) पशुपालन हेतु सरकारी प्रोत्साहनों का अभाव। पशुपालकों को भी MSP की तरह सब्सिडी की जरूरत है।

(6) पशुओं का महँगा होना तथा बहु भूमिहीनता गतिविधियों की आर्थिक पहुँच को कम करते हैं।

(7) डेयरी उद्योग का पर्याप्त विकास न होना।

(8) गायों के आर्थिक उपयोग पर प्रतिबंध से उनका उपयोगी न रह जाना, विशेषकर कम दूध देने वाली का।

(9) पशुओं के खाल निकालने, माँस बेचने वालों की सामाजिक प्रतिष्ठा का कम होना।

स्पष्ट है कि चुनौतियाँ बहुआयामी हैं अतः उपाय भी बहुआयामी होने चाहिए-

(1) सरकार के पशुओं के बीमा करने व कृत्रिम गर्भाधान, सस्ती चिकित्सा पहुँचाने, अधिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपयुक्त नर पशुओं का आयात करने, गुणवत्तायुक्त चारे हेतु जैव प्रौद्योगिकी (जल संशोधित घास), चारागाहों के पुनरुद्धार हेतु ठोस रणनीति बनानी चाहिए। साथ ही पशुपालकों को सब्सिडी जैसे आर्थिक प्रोत्साहनों की जरूरत है।

(2) डेयरी उद्योग के ग्रामीण क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत मूल्य श्रृंखला का विकसित हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि पशुपालकों के साथ, डेयरी उद्योग में रोजगार सृजन हो।

(3) ई-हाट, ई-पशुधन जैसी पहलों के किसानों को जोड़ना।

स्पष्ट है कि सर्वाधिक मात्रा में पशु होने के बावजूद, पशुपालन क्षेत्र विकसित अवस्था में नहीं है इसके लिए न्यूजीलैंड जैसे देशों से मदद लेकर तथा उपर्युक्त रणनीतियों पर विचार कर सम्यक लाभ उठाया जा सकता है।

वैज्ञानिक नीतियों के निर्माण के साथ प्रभावी क्रियान्वयन पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. "जलवायु परिवर्तन ने भारतीय मानसून को परिवर्तित कर दिया है फलतः यहाँ की भूमि, प्रजातियाँ तथा जनसंख्या प्रभावित हुई है।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Climate Change has altered Indian mansoons and consequently, affected its land, species and people." Examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जलवायु परिवर्तन को उचित रूप से परिभाषित कीजिए

जलवायु परिवर्तन से तात्पर्य ग्रीनहाउस गैसों के कारण तापमान व वर्षा संबंधी विशेषताओं में दीर्घकालिक परिवर्तन से है।

भारतीय मानसून में जलवायु परिवर्तन के कारण परिवर्तन

(1) वैश्विक तापमान में वृद्धि होने के कारण वर्षा का पैटर्न प्रभावित हुआ है। चेन्नई में बाढ़, पश्चिमी राजस्थान में बाढ़ इसके प्रमाण हैं।

(2) जलवायु परिवर्तन के कारण अलनीनो जलधारा की आवृत्ति बढ़ी है व जलधारा का प्रभाव विस्तृत हुआ है जिससे मानसूनी वर्षा में कमी आयी।

(3) जलवायु परिवर्तन के कारण कुछ प्रदेशों में बाढ़ व कुछ प्रदेशों में सूखे की समस्या उत्पन्न हुई है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूमि पर प्रभाव ⇒

① जलवायु परिवर्तन के कारण मरुस्थल, विदर्भ जैसे क्षेत्रों में लगातार मानसून विफल हुआ है। इससे मरुस्थलीकरण में प्रसार होने की संभावना है तथा मृदा निर्माण की प्रक्रिया शिथिल हुई है।

② कुछ क्षेत्रों में बाढ़ के कारण मृदा अपरदन व जलभराव की समस्या आई है।

प्रजातियों व जनसंख्या पर प्रभाव

① मानसून की अनिश्चितता के कारण शुष्क प्रदेशों की जैव विविधता में क्षति हुई है, लोगों की आजीविका व पेयजल पर खतरा बढ़ने से पलायन बढ़ा है।

② अधिक वर्षा वाले प्रदेशों से बाढ़ ने जीवजंतुओं, जनसंख्या, छोटी वनस्पतियों को प्रभावित किया है। जिससे मृदा का कटाव बढ़ने से मृदा के उपजाऊपन में कमी आई है।

③ जलवायु परिवर्तन से ग्रामीण जनसंख्या के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अतः ~~कृषि~~ आर्थिक पक्ष - कृषि उत्पादन में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे तटीय प्रदेशों की ओर मध्यवर्ती क्षेत्र से पलायन होने से अल्पाधिक जनभार बढ़ा है।

(4) जलवायु परिवर्तन के कारण पारितंत्र की प्रजनन व अनुकूलता को प्रभावित किया है, जो पारिस्थितिकीय उत्पादकता को कम कर सकता है।

वस्तुतः भारतीय मानसून भारत की जलवायु की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है, जलवायु परिवर्तन का कोई भी असर मानसून को प्रभावित करता है तो जनसंख्या व पारितंत्र पर भारी प्रभाव पड़ना निश्चित है।

9

भाग 2 की 2/2

Cw वह फ्लैश बैक के साथ निष्कर्ष लिखने

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

8. "महान भारतीय मैदान की भौतिक दशाएँ संसार के अन्य भागों से कम बेहतर नहीं हैं, फिर भी यहाँ खाद्यान्न की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता एवं कृषि दक्षता निम्नतर बनी हुई है।" विवेचन करें। (250 शब्द) 12.5

"Physical conditions of the Great plain of India are not less better than other parts of the world Even then, agricultural efficiency and per hectare productivity of food grains has remained lower." Discuss. (250 words) 12.5

उत्तर भारत का विशाल मैदान अपनी कृषि गहनता व उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जिसके कारण हैं -

(1) गंगा व उसकी सहायक नदियों द्वारा उपजाऊ मिट्टी का बहाकर लाना, ~~पर्याप्त~~ सिंचाई के लिए नदी जल की उपलब्धता, मैदान की समतल भूमि, उच्चावचों का अभाव, फसलों के अनुकूल तापमान व पर्याप्त वर्षा इसे कृषि उत्पादन के अनुकूल क्षेत्र बनाती हैं, यही विशेषताएँ न्यूनाधिक मात्रा में व उत्तरी मिस्र के मैदान, लॉम्बार्डी के मैदानों में पायी जाती हैं।

(2) हिमालय के कारण इस मैदान में शीतलहरें (ध्रुवीय पवन) नहीं चलती व बर्फ नहीं जमती। तथा सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ व गर्मियों में मानसून से वर्षा होती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

किन्तु, उक्त भौतिक दशाओं के होने के बावजूद मिस्र, अमेरिका, इटली जैसे देशों की तुलना में प्रति हेक्टेयर उत्पादन बेहद कम है। जिसके कारण हैं -

(1) खेतों का विखंडन। छोटे छोटे खेत होने से न तो निवेश बढ़ पाता है और न ही अधिक उत्पादक आय होती है।

(2) अत्यधिक जनसंख्या की निर्भरता व कृषि पर बढ़ता भार।

(3) बाढ़, ओलावृष्टि के कारण जोखिम अधिक व सुरक्षा (बीमा) कम।

(4) कृषि का मशीनीकरण, यंत्रीकरण व सिंचाईकरण नहीं।

(5) कृषि को महज जीवन यापन के लिए किया जाना।

(6) नवीन कृषि तकनीकों के उपयोग को लेकर किसानों में जागरूकता का अभाव व उनकी अकुशल प्रवृत्ति।

8/4 न 8 उत्तर लिखने का प्रयास किया है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

देवनागरी लिपि

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(7) दोषपूर्ण MSP नीति मुख्य गेहूँ, जौ जैसी फसलों को प्राथमिकता देती है, फसल चक्रीकरण व विविधीकरण के अभाव के कारण उत्तरी मैदान में जमीन का उपजाऊपन कम हुआ है।

स्पष्ट है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाने के लिए सहज भौगोलिक दशाएँ पर्याप्त नहीं हैं, क्योंकि इजराइल में ये परिस्थितियाँ नहीं हैं फिर भी प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिक है। अतः जरूरत है किसानों के प्रशिक्षण, भूमि के समेकन, संस्थागत वित्त हस्तक्षेप, आपदा जोखिमों के प्रति सुरक्षा प्रदान करने व जैव प्रौद्योगिकी जैसी नवीनतम तकनीकों के प्रयोग से बीज व खाद की गुणवत्ता सुधारने की। इन्हीं प्रयासों से उत्पादन/हेक्टेयर बढ़ाया जा सकता है।

किसान की वास्तविकता के धरातल पर नीतियों के निर्माण का भी अपने उपायों के उल्लेख कीजिए

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.5	
Grade	B	C	C	C	B	A	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. मानव जनित वर्षा (Man-induced Precipitation) की प्रक्रिया को स्पष्ट करें। क्या इस विधि को भारत के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में व्यवहृत करना धारणीय है? (250 शब्द) 12.5

Explain the process of man-induced precipitation. Is this method sustainable to treat drought-hit areas of India? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मानव जनित वर्षा से तात्पर्य, क्षोभमंडल में कृत्रिम आर्द्रताग्राही नाभिक जैसे शुष्क CO_2, पोटेशियम आयोडाइड आदि का छिड़काव करके उन पर जलवाष्प के संघनित करा ~~कर~~ निर्मित जलबूंदों का पृथ्वी पर गिरने से है।

इस विधि में जिन क्षेत्रों में ~~बादल~~ वर्षा नहीं हो रही है, उन प्रदेशों के ऊपरी वायुमंडल में कृत्रिम मेघ बीजन कराया जाता है, जिससे वर्षा होती है।

भारत के जरूरत क्यों व उपयोगिता

(1) भारत में मानसून की अनिश्चितता बनी रहती है। देश के किसी न किसी इलाके में प्रतिवर्ष सूखा होता है, कृत्रिम वर्षा कराकर इन प्रदेशों को सूखे से बचाया जा सकता है। मराठवाड़ा, विदर्भ, पश्चिमी राजस्थान के लिए यह

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विशेष उपयोगी होगी।

स्पष्ट है कि कृत्रिम वर्षा, प्राकृतिक मानसूनी वर्षा का विकल्प हो सकती है, जो कृषि, जनसंख्या, पारिस्थितिकी, जमीन के उपजाऊपन में वर्षा कराकर वृद्धि कर सकती है, किन्तु यह विधि अधिक व्यवहारिक नहीं होगी, क्योंकि, इससे -

① रसायनों को वायुमंडल में छोड़ना पड़ता है, जिससे पर्यावरण प्रदूषण हो सकता है।

② वायु में जलवाष्प निश्चित होता है, एक क्षेत्र की जलवाष्प जरूरी नहीं वहीं बरसे, लेकिन कृत्रिम वर्षा कराकर अन्य क्षेत्र को सूखा ग्रसित कर सकती है। यदि सभी देश ऐसा प्रयास करने लगे तो देशों के मध्य तनाव बढ़ सकते हैं।

③ यह विधि अत्यधिक महँगी है, इससे वर्षा होने की गारंटी नहीं होती।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

स्पष्ट है कि कृत्रिम वर्षा की महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की है। इसका उपयोग विकल्प के रूप में आपात स्थितियों में ही किया जाना चाहिए, न कि नियमित प्रक्रिया। इसके बजाय उपलब्ध जल संसाधनों का संरक्षण, संग्रहण, पुनःप्रयोग, रिसाइकिलिंग, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, नदियों की अपवहन क्षमता बढ़ाना, तालाब व बांध बनाकर जल उपलब्धता बढ़ाना कहीं बेहतर दीर्घकालिक उपाय हो सकता है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. "कश्मीर से कन्याकुमारी तथा असम से कच्छ तक असममित भू-आकृतिक लक्षणों के कारण भारत में बाढ़ के स्वरूप एवं कारकों में अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता होती है, जिसका समाधान वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाने में निहित है।" टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

"Due to asymmetric geomorphological features, there is a difference in the nature and factors of floods in various areas from Kashmir to Kanyakumari and Assam to Kutch and its solutions are inherent in an objective approach." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय भूभाग अपनी विविधता, उच्चावचता, के लिए जाना जाता है। भारत के अलग अलग भूआकृतिक लक्षण अलग अलग प्रकार से बाढ़ को जन्म देते हैं।

भूआकृतिक लक्षणों से बाढ़ के स्वरूप में भिन्नता

① हिमालयी क्षेत्र में नदियाँ वर्षवाहिनी हैं, युवा हैं तथा विसर्पण करती हैं, अतः थोड़ी अधिक वर्षा बिहार, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, असम में बाढ़ को जन्म देती है।

② दक्षिणी भारत के पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्रों में पश्चिमी घाट पर भारी वर्षा के कारण बाढ़ आती है।

③ शहरी क्षेत्रों में अपर्याप्त जल निकास व्यवस्था से बाढ़ आती है तथा निम्न इलाकों

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

में जनसंख्या का दबाव भी बाढ़ का कारण है।

(4) जलवायु परिवर्तन ने चक्रवातों की आवृत्ति व बारंबारता में वृद्धि की है यह पश्चिमी तट तथा पूर्वी तट पर बाढ़ लाता है। चेन्नई बाढ़ का यह एक कारण था।

(5) नदियों में गाद के जमाव, बाँधों के टूटने, निम्न क्षेत्रों में जलाशयों का पानी छोड़ने से भी बाढ़ की उत्पत्ति होती है।

स्पष्ट है कि भारत में बाढ़ का स्वरूप एकल नहीं है, कुछ जगहों पर बाढ़ प्राकृतिक कारणों से तो कुछ जगह मानवीय कारकों से बाढ़ आती है। अतः बाढ़ के इस स्वरूप को वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाकर ही इसका प्रबंधन किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस दृष्टिकोण के तहत बाढ़ संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान व सर्वेक्षण व वहाँ आपदा प्रबंधन के प्रयास किया जाना, शहरी जलनिकासतंत्र को अधिक प्रभावी बनाना, नदियों की जलवहन क्षमता को बढ़ाना तथा, दीर्घकालिक रूप से जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले उपायों, नियोजित शहरीकरण पर बल देकर बाढ़ की तीव्रता व बारंबारता को कम किया जा सकता है।

भारत की मौजूदा व्यवस्था का भी उल्लेख कीजिए

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. तीव्र शहरीकरण अपने साथ प्रचुर मात्रा में चुनौतियाँ लाता है, 'नया विकास एजेंडा' इन चुनौतियों का किस प्रकार स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामना करता है? (250 शब्द) 12.5

Rapid urbanization brings with it enormous challenges, How 'New development Agenda', addresses these challenges at local, national and international level? (250 words) 12.5

शहरों को विकास का इंजन माना जाता है। क्योंकि शहरों में अधिक आजीविका के साधन, पर्याप्त सुविधाएँ, मजबूत प्रशासनिक व स्वायी जीवन होता है, जिससे यह ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर तीव्र शहरीकरण को बढ़ावा देता है।

शहरीकरण को परिभाषित करते उत्तर लिखिए

तीव्र शहरीकरण से उपजी चुनौतियाँ

① शहरी संसाधनों पर बोझ बढ़ाता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, सार्वजनिक स्थल, संस्थानों पर दबाव बढ़ाता है।

② शहरी अवसंरचना (भौतिक) की दीर्घजीवितता को कम करता है।

③ अनियोजित शहरीकरण मलिन बस्तियों की समस्या उत्पन्न करता है। यह जीवन की गुणवत्ता को कम करता है तथा यहाँ चोरी, लूटपाट,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अपशिष्ट प्रबंधन बढ़ती है। यह प्रशासनिक तंत्र को कमजोर करता है।

स्पष्ट है कि अनियोजित शहरीकरण ढेरों चुनौतियाँ लाता है। इसके समाधानार्थ 'नया विकास एजेंडा' लाया गया है। यह वैश्विक प्रयास स्थानीय, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चुनौतियों को कम करता है-

① यह एजेंडा शहरीकरण के लिए समेकित विकास कार्यवाही को सूचित करता है। शहरीकरण के बेहतर नियोजन के उदाहरणों को अन्य देशों में लागू करने का प्रयास करता है।

② यह एजेंडा शहरीकरण से जुड़े प्रशासनिक तंत्र को सुचनाओं के आदान प्रदान व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने, नियमित बैठकें करने पर जोर देता है।

③ यह एजेंडा शहरीकरण को अधिक लचीला बनाने के लिए अधिक तकनीकी हस्तक्षेप, समुदायों के कौशलीकरण, सभी को मूलभूत आवश्यकताएँ

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रदान करने पर बल देता है।

(4) यह एजेंडा योजना के तहत शहरों का विस्तार करने व निर्माण अनुमतियाँ प्रदान करने पर आधृत है।

स्पष्ट है कि शहरीकरण अपने आप में एक अवसर है, किन्तु बिना नियोजन यह दुस्वप्न बन सकता है। अतः नया विकास एजेंडा एक ऐसा वैश्विक प्रयास है जो शहरों में धारणीय विस्तार व विकास पर बल देकर चुनौतियों से निपटने की राह दिखाता है।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	0.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	D	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. यद्यपि स्थिर रूप से ग्रामीण-से-ग्रामीण क्षेत्र में प्रवासन किसी अन्य प्रकार के प्रवासन की तुलना में अधिक सामान्य है। भारत में प्रवासन की नई प्रवृत्तियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Though stagnated rural to rural migration is more common than any other type of migration. Critically examine new trends of migration in India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में प्रवासन विविध क्षेत्रों के मध्य उत्पन्न हुए असंतुलन का परिणाम है। भारत में गांवों से शहरी प्रवासन अन्य देशों की तरह ही है, किन्तु आपवाद ग्रामीण क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्रों में ~~नई प्रवृत्ति~~ प्रवासन की नई प्रवृत्ति देखने को मिल रही है।

प्रवासन की परिभाषा के साथ प्रकारों का भी उल्लेख कीजिए

कारण

(1) अंतर्क्षेत्रीय ग्रामीण आर्थिक विषमता अर्थात कुछ ग्रामीण क्षेत्रों का ~~अधिक~~ विकास व कुछ का पिछड़ापन।

(2) कुछ क्षेत्रों में उत्पन्न आपदाएँ यथा बाढ़, सूखा, पेयजल की समस्या आदि।

(3) रोजगार के अवसरों का इसरे ग्रामीण क्षेत्रों में होना या स्वास्थ्य व ~~शिक्षा~~ जैसी सुविधाएँ

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अन्य में अलग होना।

(4) महिलाओं की बड़ी संख्या शादी के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में पलायित होती है।

(5) कुछ गाँवों का स्मार्ट गाँवों में बदलना।

(6) भूमिहीनों का अन्य जगह पलायन।

स्पष्ट है कि प्रवासन की यह आवधा रचनात्मक प्रवृत्ति, नई प्रवृत्ति गाँवों में विनष्टीकरण को प्रेरित कर रही है। यह गाँवों के घातक विकास के लिए बेहतर नहीं है, इससे निपटने के लिए सभी गाँवों में आधुनिक अवसंरचना का विकास करना होगा, कृषि हेतु सभी जगह सिंचाई के साधन, सभी गाँवों का विद्युतीकरण आवश्यक है। इसके लिए जरूरी है कि स्मार्ट विलेज योजना तथा आदर्श सांसद ग्राम योजना केवल कुछ गाँवों तक सीमित न रहें। साथ ही उल्लेख भी कीजिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. प्रायद्वीपीय भारत की तुलना में उत्तर भारत में नहरों द्वारा सिंचाई की व्यापकता अधिक क्यों है? दक्षिण भारत में प्रचलित सिंचाई के विभिन्न साधनों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Why Canal irrigation in Northern India is more widespread as compared to Peninsular India? Discuss the different means of irrigations practiced in South India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रायद्वीपीय भारत की तुलना में उत्तर भारत में नहरों के अधिक विकास के कारण निम्न हैं -

(1) प्रायद्वीपीय भारत बसालट चट्टान निर्मित है यहाँ नहर बनाना मुश्किल है जबकि उत्तर भारत की मृदा चट्टानी नहीं है।

(2) उत्तर भारत में प्रायद्वीपीय तंत्र के विपरीत वर्षवाहिनी नदियाँ हैं जो नहरीकरण की पहली शर्त है।

(3) उत्तर भारत की उपजाऊ मृदा, बाढ़ के विशाल मैदान, उत्तर भारत में बाढ़ व सूखे की अधिक प्रवृत्ति नहरीकरण को प्रेरित करती है। इंदिरा गाँधी नहर के पीछे यही कारण है।

प्रायद्वीपीय तथ्य, 22 वें कि. का उल्लेख कीजिए

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

स्पष्ट है कि नहरीकरण की प्रवृत्ति उत्तरभारत में विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के उत्तरी क्षेत्र में पायी जाती है।

इसके विपरीत दक्षिणी भारत में तालाब, ही प्रचलित सिंचाई का स्रोत है। क्योंकि यहाँ भूमि के पथरीली होने के कारण नलकूप का विकास संभव नहीं है और वर्षा की औसत स्थिति व चट्टानी स्थिति नहरीकरण को हतोत्साहित करती है।

जबकि दक्षिण भारत में प्राकृतिक तालाबों की बहुलता है, भूमि में जल का रिसाव व गाद का जमाव कम है, अतः तालाब से सिंचाई प्रचलित है।

मात्रात्मक स्तर पर स्थिति अस्पष्ट है

निष्कर्ष
का कमी की राह

2

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. "भारत जल प्रबंधन में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है।" उक्त कथन की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय जल आयोग की आवश्यकता तथा केन्द्रीय जल आयोग और केन्द्रीय भूजल बोर्ड की पुनर्संरचना का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"India faces unprecedented challenges in water management." In the background of above statement critically examine the need for National Water Commission (NWC) and restructuring of Central Water Commission and Central Ground Water Board. (250 words) 12.5

भारत में विश्व की 17% जनसंख्या रहती है जबकि 4% जल स्रोत है अतः जल प्रबंधन बेहद जरूरी हो जाता है।

जलप्रबंधन में चुनौतियाँ

(1) नदियों की अपर्याप्त अपवहन, संग्रहण क्षमता व नदी जल का प्रदूषित होना।

(2) हिमालयी क्षेत्रों में बाढ़ व महाराष्ट्र, बुंदेलखंड में सूखे जैसी समस्या।

(3) लगातार गिरता भू जल व भूजल का प्रदूषण (आर्सेनिक)

(4) अधिकांश वर्षा जल का समुद्र में चले जाना।

(5) नदी जल विवादों का बढ़ना।

(6) अविवेकपूर्ण जल का उपयोग।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्पष्ट है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय जल आयोग की जरूरत है ताकि वह जल की कमी के मुद्दों, जल के प्रबंधन, वितरण व उपयोग के सुझाव दे सके।

स्पष्ट है कि मौजूदा संस्थागत तंत्र के तहत केन्द्रीय जल आयोग तथा केन्द्रीय भूजल आयोग दो महज प्रशासनिक तंत्र बनकर रह गये हैं। इनमें समन्वय की कमी के चलते प्रभावी जल प्रबंधन संभव नहीं है।

अतः इन संगठनों को राष्ट्रीय जल आयोग के रूप में पुनर्संरचित होने की जरूरत है, ताकि एकीकृत दृष्टिकोण, तकनीकी दृष्टिकोण अपनाकर समन्वयात्मक तरीके से जल प्रबंधन के प्रयास हों।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
thing except the
estion number in
s space)

13. शहरों के बाह्य क्षेत्र कचरे के पहाड़ों में तब्दील होते जा रहे हैं। किस तरह जैवोपचार प्रक्रिया शहर आधारित कचरे से निपटने में सहायक है? (250 शब्द) 12.5

Outskirt areas of cites are becoming hills of garbage. How bioremediation process can help in dealing with a city laid waste? Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

शहर आर्थिक गतिविधियों, जनसंख्या, उद्योगों व मानवीय क्रियाकलापों के केन्द्र हैं, जहाँ बाह्य क्षेत्रों में कचरे का निस्तारण किया जाता है, जिसके कारण हैं -

① 2016 से पूर्व के ठोस कचरा प्रबंधन नियमों से पूर्व नगर निगम की जिम्मेदारी महज निगम क्षेत्र तक ही थी अतः बाहरी क्षेत्र में कचरा डाल दिया जाता। इसके अतिरिक्त, कचरा उत्पादक कंपनियों की विधिक जिम्मेदारी तय नहीं की गयी थी।

② कचरा निस्तारण को अधिक दूर ले जाने पर अत्यधिक लागत व नदी क्षेत्र में निस्तारण पर प्रतिबंध ने बाहरी क्षेत्रों में ही कचरा डालने को प्रेरित किया है।

③ कचरे के उपयोग की, अपघटन की, ऊर्जा योग की व्यवस्था नहीं।

लैंडफिल के दोष

उत्सर्जन की दिक्कत

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

स्पष्ट है कि जैवोपचार प्रक्रिया द्वारा खाद्य सामग्री, जैविक कचरे का निस्तारण किया जा सकता है, जो कि इसका अधिक स्थायी समाधान है।

किन्तु शहरों का अधिकांश कचरा, प्लास्टिक, रबर, धातु सामग्री, थैलियाँ, व इलेक्ट्रॉनिक सामान, बैटरियाँ भी हैं जिनका निस्तारण इस विधि से नहीं किया जा सकता है। इनके निस्तारण के लिए जरूरी है कि कचरे के स्रोत पर ही इन्हें अलग किया जाए तथा इन कचरे से बिजली उत्पादन, पिघलाकर सड़क बनाने आदि में किया जाए।

अवधारणात्मक स्पष्टता का अभाव है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. किस प्रकार अवैध रेत खनन नदियों की पारिस्थितिकी व जनजीवन को प्रभावित कर रहा है, आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये तथा रेत खनन दिशा-निर्देशों के मुख्य बिन्दुओं की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Critically examine how illegal sand mining is affecting the ecology of rivers and lives of people. Also explain the highlights of Sand Mining Guidelines. (250 words) 12.5

अवैध खनन से तात्पर्य बिना लाइसेंस के, लाइसेंस में निश्चित क्षेत्र के बाहर, लाइसेंस की अवधि समाप्त होने पर, लाइसेंस द्वारा तय की गयी मात्रा से ज्यादा खनन किए जाने को अवैध खनन माना जाता है।

पारिस्थितिक पर प्रभाव

1. वृक्षों की कटाई, वनजीवों के आवासों का नष्ट होने से लेकर तक जीवों का विलुप्तीकरण
2. वायुमंडल में खनन से फैले धुएं का ईलकण आदि से जीवों के पाचन, प्रजनन पर असर।
3. नदियों का स्वरूप विकृत करना (रेत उत्पन्न)
4. भूगोतिकी संरचना में परिवर्तन, गहरे गड्ढों का निर्माण
5. जल स्रोतों का प्रदूषण (जैव-अपघटन में आर्सेनिक मिलना)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जनजीवन पर असर

(1) स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ (श्वास संबंधी)
(मजदूरों की, आसपास की जनसंख्या की)

(2) प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर आजीविका का जैवविविधता घटने से उत्पन्न

(3) रेत माफियाओं के कारण भ्रष्टाचार बढ़ना, प्रशासन पर माफियाओं के हमले।

(4) विस्थापन व पुनर्वास की समस्या।

स्पष्ट है कि अवैध खनन रोकने के लिए सरकार प्रयासरत है। रेत खनन को रोकने हेतु दिशा निर्देश दिए हैं—

(1) अवैध खनन से लगी क्रियाओं पर पूर्ण प्रतिबंध।

(2) खनन में लगे वाहनों की ट्रैकिंग करना तथा सैटेलाइट इमेज का प्रयोग करना।

(3) नदियों में खनन वाली जगह प्राकृतिक किलेबंदी बढ़ाना।

(4) स्थानीय प्रशासन को खनन संबंधी

जिलाधिकारी, रेंजर, पटवारी से जुड़ी मंजूरी लेने पर अधिक बल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामग्रियों का प्रसार

(5) तथा खनन गतिविधियों में पारदर्शिता।

स्पष्ट है कि अवैध खनन पर्यावरण, पारिस्थितिकी, मानवीय स्वास्थ्य, प्रशासन व अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह है, जिससे निपटने के लिए अविलम्ब दिशा निर्देशों पर अमल किया जाए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. पेरिस समझौते की महत्ता लिखिये तथा अमेरिका के इससे अलग हो जाने के बाद विकासशील देशों पर इसका क्या प्रभाव होगा? (250 शब्द) 12.5

Write down the significance of the Paris agreement and what will be its impact on developing countries as USA has withdrawn from the agreement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पेरिस समझौता UNFCCC के तहत वैश्विक तापमान को पूर्व औद्योगिक युग से 2°C तक (वृद्धि) सीमित करने हेतु अपनाया गया सार्वभौमिक, गैर बाध्यकारी समझौता है।

महत्व

(1) सभी देशों को ग्रीनहाउस गैसों में कटौती हेतु शमन तथा अनुकूलन के प्रति प्रतिक्रिया हेतु अपने हिसाब से INDC तैयार करना है। यह कदम वैश्विक तापमान वृद्धि को 2°C तक रोकने में सक्षम होगा।

(2) गरीब, विकासशील व दीपीय देशों के लिए आर्थिक मदद हेतु 2020 से 100 बिलियन डॉलर का फंड व टेक्नोलोजी हस्तांतरण की बात।

(3) CBDR के तहत विकासशील देशों को कम व विकसित देशों पर अधिक जिम्मेदारी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अमेरिका के अलग हो जाने से असर

(1) जलवायु परिवर्तन से निपटने की लड़ाई कमजोर होगी, क्योंकि अमेरिका दूसरा सबसे बड़ा व 17% कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश है। जलवायु परिवर्तन के प्रति सर्वाधिक उपेक्षा विकासशील देश ही हैं।

(2) गरीब व विकासशील देशों के लिए स्वच्छ अमेरिकी ग्रीन टेक्नोलॉजी व लगभग 3 अरब डॉलर की अमेरिकी मदद से हाथ धोना पड़ेगा। अन्य देश भी जलवायु कोष में योगदान से ~~कतराएंगे~~ कतराएंगे।

(3) अन्य देश (विकसित विशेषकर) समझौता छोड़ सकते हैं। अमेरिका के गैर जिम्मेदाराना रवैये ने समझौते की व्यावहारिकता पर प्रश्न खड़ा किया है।

(4) विकासशील देशों को कार्बन ट्रेडिंग का फायदा कम मिलेगा।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गौरतलब है कि पेरिस समझौता अमेरिकी पहल पर ही हुआ था, जिस पर विकासशील देशों ने अपनी विकास गतिविधियों को जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु सीमित करने का प्रयास किया है, किन्तु, केवल अपने फायदे के लिए समझौता छोड़ना नैतिक, पारिस्थितिकी व अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की भावनाओं के प्रतिकूल है। अतः भारत ने समझौते को बाध्यकारी बनाने की, ताकि 'वन प्लानेट ग्रेट बगेन' को चरितार्थ किया जा सके, इस संदर्भ में भारत को विकासशील देशों का WTO की तरह नेतृत्व करना चाहिए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. हाल ही में भारतीय तटों पर तेल रिसाव की कई घटनाएँ हुईं। तेल रिसाव कम करने की चुनौतियां और तरीकों को दर्शाइए। (250 शब्द) 12.5

Recently incidences of oil spills took place on Indian shores. Depict challenges and methods for mitigating oil spill. (250 words) 12.5

तेल रिसाव एक मानवीकृत घटना है, जो पर्यावरण, समुद्री पारिस्थितिकी, जलीय जीवों व तटीय क्षेत्रों के लिए बेहद हानिकारक है।

तेल रिसाव के कारण

1. जहाजों की टक्कर
2. जहाजों में लीकेज
3. नौसैनिक जहाजों की आपसी कार्यवाहियाँ
4. लहरों की गति तेज होने से जहाजों का पलटना।
5. सटीक नौवहन नहीं होने से तटों हिमपेड़ों, जलीय द्वीपों से टकराकर जहाजों का पलटना।

तेल रिसाव के प्रभावों का भी उल्लेख कीजिए

हाल ही में चेन्नई के निकट तेल रिसाव की घटना ने व्यापक चुनौतियाँ पैदा की थी।

तेल रिस

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

तेल रिसाव को कम करने की चुनौतियाँ

(1) तेल का फैलकर समुद्री सतह पर हो जाना।
(2) धीरे धीरे तटीय क्षेत्रों के निकट तेल का जमाव
(3) निपटने के लिए कोई व्यावहारिक तकनीक न होना तथा उपलब्ध तकनीकों का महँगा होना।

चुनौतियों से निपटने के तरीके

(1) सर्वश्रेष्ठ नौवहन प्रणाली। गगन व आईआरएनएसएस प्रणाली का व्यापक प्रयोग।
(2) बंदरगाहों के आस पास प्रकाश स्तंभ व उचित जहाज पार्किंग स्थलों का होना।
(3) अधिकाधिक तेल को स्थल मार्गों से पाइपलाइनों के जरिये लाने का प्रयास।
(4) नवीनतम जहाजों का तेल परिवहन में प्रयोग। व तेल को ऐसे कंटेनरों में लाना जो जहाज पलटने पर भी उनसे तेल न रिसे।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(5) तेल रिसने पर जैव उपचार (तकनीकों) जैसे ऑयलजैप का प्रयोग करना।

स्पष्ट है कि उपर्युक्त कदम ऐसी घटनाओं को कम करने व निपटने में सहायक होंगे।

न्यायालय द्वारा प्रयास के अलावा उपायों का उल्लेख निकायों द्वारा कीजिए

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	0.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	D	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु सेंडाई फ्रेमवर्क तथा भारतीय उपमहाद्वीप को आपदा मुक्त करने में भारत की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Analyze the Sendai Framework in disaster risk reduction and India's role in making Indian Subcontinent disaster free. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हयोगो फ्रेमवर्क के बाद सेंडाई फ्रेमवर्क आपदा प्रबंधन हेतु अपनाया स्वैच्छिक, गैर बाध्यकारी समझौता है। इस फ्रेमवर्क के द्वारा वैश्विक स्तर पर आपदाओं से होने वाले नुकसानों को कम करने का उद्देश्य रखा है।

सेंडाई फ्रेमवर्क संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का पूरक है। यह 2015 से 2030 तक के लिए है। इसमें सात उद्देश्य तय किए है, जिसमें 2020-30 के दशक में आपदा प्रभावित मौतों में कमी लाने, घायलों की संख्या कम करने, अर्थव्यवस्था को नुकसान कम करने तथा वैश्विक सूचना आदान-प्रदान पर वैश्विक भागीदारी बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

सेंडाई फ्रेमवर्क के लिए 4 प्राथमिकताएं तय की गई है, जो उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होंगी।

सेंडाई फ्रेमवर्क के लक्ष्यों एवं प्राथमिकताओं पर उल्लेख करते हुए एक बार विभिन्न

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की भूमिका

(1) भारत में उपमहाद्वीप की कुल मौतों के 70% (आपदा प्रभावित) होती हैं अतः राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 के तहत आपदा प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बताया है।

(2) भारत ने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण केन्द्र व राज्य स्तर पर निर्मित कर संस्थागत ढांचा तैयार किया है।

(3) भारत ने हिन्द महासागर में आपदा चेतावनी प्रणाली को शुरू किया है, जिसकी सूचना वह पड़ोसी देशों को उपलब्ध कराता है।

(4) नेपाल में आये भूकंप में भारत ने वैश्विक प्रयासों को अंजाम दिया।

(5) भारत में आपदा प्रबंधन पर उदयपुर घोषणा तथा

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बाल में आयोजित देशों की मंत्रिस्तरीय सम्मेलन व 'दिल्ली घोषणा' को अपनाया है।

(6) भारत सार्क देशों के साथ मिलकर संयुक्त आपदा प्रबंधन ढांचा व बल बना सकता है।

स्पष्ट है कि भारत ने क्षेत्रीय स्तर से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन प्रयासों का समर्थन किया है, आपदा प्रबंधन में भारत की बढ़त वाली अग्रणी भूमिका देशों को 'लीड डिजास्टर क्षेत्र' में बदल सकती है, सुझाव के अभाव में निष्कर्ष प्रस्तुत करिए

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	0.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	D	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. "आपदाएँ स्थानीय की बजाय वैश्विक हो चुकी हैं तथा राजनीतिक संरचना को स्थानीय नियंत्रण और तंत्र से बचकर निकलते हुए देखा जा सकता है।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Disasters have become a global rather than a local issue and the political infrastructure may be seen to bypass local control and system." Comment. (250 words) 12.5

आपदाएँ अचानक होने वाली घटनाएँ है।

वैश्विक कैसे?

(1) जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लोबल वार्मिंग असर सभी पर पड़ रहा है। महासागरीय धाराओं, जेटस्ट्रीम की गति व मानसून की स्थिति को प्रभावित किया जा रहा है।

(2) मानवीय दखल ने सभी देशों में आपदाओं की तीव्रता व आवृत्ति को बढ़ाया है। जैसे - बाढ़, सूखा।

(3) 2004 में आयी सुनामी ने पूरे एशियाई महाद्वीप को प्रभावित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(4) ऋण मौसमी चक्रवातों की तीव्रता व गति बढ़ने से अधिकांश देश प्रभावित है।

किन्तु आपदाओं से निपटने हेतु वैश्विक राजनीतिक प्रयासों को गति मिली है। सतत विकास लक्ष्यों, सेंडाई फ्रेमवर्क, आपदा प्रबंधन पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, पेरिस समझौता आदि ने वैश्विक प्रयासों को मान्यता दी है। किन्तु व्यावहारिक स्तर पर स्थानीय समुदाय के ज्ञान व भागीदारी दायित्व को लेकर अधिक गंभीरता नहीं दिखाई देती।

वस्तुतः स्थानीय, राष्ट्रीय व वैश्विक प्रयासों के एकीकृत हस्तक्षेप से ही आपदाओं से निपटा जा सकता है।

राजनीतिक संस्थाओं के मंत्रि स्तरीय जिम्मेदारियों के प्रति गंभीरता की आवश्यकता भी दिखाई

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. क्या आप सहमत हैं कि 'उदयपुर घोषणा' आपदा प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम है? इस बैठक के दौरान ब्रिक्स राष्ट्रों के सम्मुख आपदा की चुनौतियों के मुद्दे का सामान्य सूत्र उजागर किया गया। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें। (250 शब्द) 12.5

Do you agree that the 'Udaipur Declaration' is a major step towards disaster management while the meeting laid bare the common thread of challenges on disaster issues faced by all the BRICS nations? Give arguments in favor of your answer. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उदयपुर घोषणा ब्रिक्स देशों द्वारा आपदा प्रबंधन से निपटने हेतु अपनाया गया एकीकृत दृष्टिकोण है। यह कदम आपदा प्रबंधन में सहयोग हो सकता है क्योंकि इसने -

(1) सदस्य देशों को चेतावनी प्रणाली से प्राप्त सूचनाओं साझा करने, प्रशासनिक भागीदारी व मेलमिलाप को बढ़ाने, प्रबंधन के अभ्यास को साझा करने पर बल दिया है।

(2) यह घोषणा आपदा प्रबंधन में स्थानीय समुदाय को शामिल करने पर बल देती है।

(3) सदस्य देश मिलकर शोध व

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

क्षमता निर्माण का प्रयास करेंगे।

(4) आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक तकनीकी पक्षों में एक दूसरे की मदद करेंगे।

(5) समन्वित अध्ययनसमूह व निगरानी तंत्र बनाएंगे।

स्पष्ट है कि यह ही घोषणापत्र आपदा को सामुहिक चुनौति के रूप में देखता है और एक दूसरे की मदद करने व समन्वित प्रतिक्रिया करने पर बल देता है। स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय व राष्ट्रीय से लेकर समूह स्तर तक की जिम्मेदारी आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सहायक होगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

देशों का समान उत्तरदायित्व अर्थात् अर्थात् के विशेषज्ञ का उल्लेख एवं वरीयता

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) बदलती हुई परिस्थितियों में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की कार्यशैली की रूपरेखा दर्शाएँ। 6.5

Outline the functioning of National Disaster Management Authority (NDMA) in changing circumstances. 6.5

बदली हुई परिस्थितियों में NDMA ने अपनी कार्यशैली में परिवर्तन किया है:

(1) स्थानीय समुदाय की एवं आपदा प्रबंधन में भागीदारी बढ़ाना

(2) स्थानीय प्रशासन को अधिक गतिशील बनाना।

(3) आपदा पूर्व ही आपदा रोकने का

कथन की पुष्टि के लिए आप उत्तर लिखिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का प्रयास करना।

(5) त्रिस्तरीय प्रशासनिक ढांचे में समन्वय व एकीकृत निर्देश तंत्र का विकास करना।

(6) तकनीकी हस्तक्षेप को बढ़ाना।

स्पष्ट है कि NDMA शीर्ष स्तरीय संगठन है, जो आपदा प्रबंधन हेतु स्थानीय से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साझेदारी का प्रयास कर रहा है।

देवनागरी लिपि का प्रयोग कीजिए।

X2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0.5	0.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	A	A	C	B	B	

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation